SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

# वट वृक्ष

# क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता

**समाचार-पत्र, जुलाई-सितंबर 2024**

# महानिदेशक की कलम से

***प्रिय पाठक,***

*मुझे वित्तीय वर्ष 2024-25 के शुभारंभ के अवसर पर "वट वृक्ष" के द्वितीय तिमाही के समाचार-पत्र नए रूप में प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। इस अंक के मुखपृष्ठ पर भारतीय संग्रहालय को दर्शाया गया है जो कोलकाता के समृद्ध ऐतिहासिक धरोहरों में से एक है।*

*भारतीय संग्रहालय (जिसे पहले कलकत्ता का इंपीरियल संग्रहालय कहा जाता था) की स्थापना वर्ष 1814 में हुई थी। इसकी स्थापना एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल द्वारा किया गया था। यह विश्व का नौवां एवं एशिया का सबसे पुराना संग्रहालय है। इसमें 100,000 से अधिक कलाकृतियों का एक व्यापक संग्रह है और इसमें प्राचीन वस्तुओं, कवच और आभूषणों, जीवाश्मों, कंकालों, ममियों, दुर्लभ सिक्कों और मुगल चित्रों के दुर्लभ संग्रह हैं। संग्रहालय की नवशास्त्रीय वास्तुकला इसके सांस्कृतिक महत्व को बढ़ाती है, जिससे यह शहर का एक महत्वपूर्ण स्थान बन जाता है। अनुसंधान, शिक्षा और सार्वजनिक सहभागिता के केंद्र के रूप में, भारतीय संग्रहालय भारत की समृद्ध विरासत को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, तथा दुनिया भर से आगंतुकों को आकर्षित करता है।*

*इस तिमाही के दौरान, हमने रेलवे वित्त और विनियोग खातों, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा और सेवा वितरण उन्मुखी लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, नवनियुक्त प्रत्यक्ष सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (रेलवे) के लिए ऑनलाइन माध्यम से प्रेरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया, साथ ही एमसीटीपी लेवल-2 और एमसीटीपी लेवल-3,निष्पादन लेखापरीक्षा, जीएसटी लेखापरीक्षा, ओरेकल, आईडीईए और अन्य विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस समाचार पत्र के माध्यम से हम अपने पाठकों को क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशिक्षण सामग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेहतर बनाने हेतु आपका सहयोग आवश्यक है। प्रशिक्षण सामग्री में सुधार/संशोधन हेतु हम आपके विचारों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं।आप rtikolkata@cag.gov.in साइट के जरिए हमसे जुड़ सकते हैं।*

***शरत चतुर्वेदी***
***महानिदेशक***
***क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं.,कोलकाता***

# विषय-सूची


| क्रम सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 1. | हिंदी पखवाड़ा | 4 |
| 2. | नवनियुक्त सीधे भर्ती स.ले.प.अ के लिए प्रेरण प्रशिक्षण | 7 |
| 3. | सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 8 |
| 4. | एमसीटीपी लेवल-3 और एमसीटीपी लेवल-2 | 11 |
| 5. | सुदूर संवेदन और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम: | 13 |
| 6. | आईटी लेखापरीक्षा अवधारणा और अभ्यास पर प्रशिक्षण: | 14 |
| 7. | तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम: | 15 |
| 8. | इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढ़ाचा उपलब्ध कराया गया। | 16 |
| 9. | एस.टी.एम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ: | 16 |
| 10. | उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि. के बाहय कार्यालयों को प्रशिक्षण दिया गया: | 17 |
| 11. | संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत): | 18 |
| 12. | विशेषज्ञ/पेशेवर संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि. से बाहय):: | 21 |
| 13. | इन-हाउस संकाय सदस्य: | 22 |
| 14. | प्रश्नोत्तरी और प्रश्नोत्तरी के उत्तर: | 23 |

## हिंदी पखवाड़ा 2024

*हिंदी पखवाड़ा 2024 की हीरक जयंती का शुभारंभ 14 सितंबर 2024 को श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा प्रतियोगिताओं और प्रस्तुतियों के साथ आरंभ हुई। प्रधान निदेशक, श्री अतुल प्रकाश ने हिंदी दिवस के समापन दिवस पर हिंदी पत्रिका ज्ञान अमृत के तृतीय अंक का विमोचन किया। उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए तथा अपने प्रेरक व्याख्यान से हमें प्रोत्साहित किया।*

हिंदी पखवाड़ा 2024 समारोह के शुभारंभ के अवसर पर अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

हिंदी पखवाड़ा 2024 समारोह
के दौरान आयोजित
प्रतियोगिताओं में भाग लेते
अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

प्रधान निदेशक, श्री अतुल
प्रकाश ने दीप प्रज्वलन
कर ज्ञान अमृत पत्रिका
का विमोचन किया।

# हिंदी प्रतियोगिताएं

## हिंदी पखवाडा

हिंदी पखवाड़ा 2024 के दौरान पांच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया था। यहां कुछ चित्र शामिल किए गए हैं, जिनमें प्रधान निदेशक प्रथम पुरस्कार विजेताओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर रहे हैं।

## हिंदी पखवाड़ा 2024 के समापन समारोह के दौरान गायन प्रस्तुति

## **नवनियुक्त सीधे भर्ती स.ले.प.अ के लिए प्रेरण प्रशिक्षण**

सीधे भर्ती सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (रेलवे) (सीजीएलई-2022) के लिए चरण 1 का प्रारंभिक प्रशिक्षण 4 जुलाई से 23 अगस्त, 2024 तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें 140 सत्र शामिल थे। प्रशिक्षण में भा.ले.व.ले.वि संगठन का अवलोकन, प्रयोज्य नियम और विनियम, रेलवे लेखापरीक्षा के सिद्धांत, लेखापरीक्षा पद्धति और व्यक्तित्व विकास, संचार, तनाव और समय प्रबंधन और टीम वर्क में कौशल सहित आवश्यक विषयों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत और समूह दोनों प्रस्तुतियों में भाग लिया। पूरे भारत से आए प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण दिया, जिसकी जानकारीपूर्ण सामग्री के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

## सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्थानीय शासन लेखापरीक्षा के संदर्भ में "सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा: इस नए प्रतिमान का क्या अर्थ है और इसे लेखापरीक्षा में कैसे लागू किया जाए" पर 2 सितंबर 2024 से 6 सितंबर, 2024 तक एक विशेष पांच दिवसीय अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर उप नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, स्थानीय शासन, सुश्री यशोधरा राय चौधरी ने किया। उन्होंने स्थानीय निकायों में 'सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा' के महत्व और कार्यान्वयन पर ध्यान दिया। सम्मानित संकाय सदस्यों ने सेवा वितरण में शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) और पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) की भूमिका, स्थानांतरण की स्थिति, कार्य-आधारित जिला-केंद्रित लेखापरीक्षा दृष्टिकोण, सेवा वितरण लेखापरीक्षा योजना के लिए तकनीक, डाटा संग्रह और विश्लेषण, रिपोर्टिंग और सेवा वितरण लेखापरीक्षा के प्रभाव सहित विभिन्न विषयों को शामिल किया गया।

स्थानीय शासन की अपर उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सुश्री यशोधरा राय चौधरी और महानिदेशक श्री शरत चतुर्वेदी 'सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा' प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान।

सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान सुश्री यशोधरा राय चौधरी, अपर उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (स्थानीय शासन), और श्री शरत चतुर्वेदी, महानिदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता।

महानिदेशक, सुश्री रीना साहा, स्थानीय शासन लेखापरीक्षा, सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के दौरान।

श्री बी. के. मुखर्जी, प्रधान महालेखाकार, सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए।

महानिदेशक सुश्री रीना साहा, सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान

सुश्री रीना साहा, महानिदेशक, सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों और क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के मुख्य संकाय सदस्यों के साथ।

## एमसीटीपी लेवल-3 और एमसीटीपी लेवल-2

विभाग में एक निश्चित अवधि तक सेवा प्रदान करने वाले वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारियों और सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 2021 से शुरू हुआ। विभाग के अधिकारियों में व्यावसायिकता, निष्पक्षता और दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से, इस संस्थान ने (जुलाई से सितंबर 2024) तिमाही के दौरान एमसीटीपी लेवल -2 और एमसीटीपी लेवल-3 प्रशिक्षण का आयोजन किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाना था, जिसमें हितधारकों के साथ संचार रणनीति, आंतरिक नियंत्रण, धोखाधड़ी का पता लगाना, जेम विशेषताएँ और आईटी वातावरण में लेखापरीक्षा आदि विषय शामिल थे। प्रतिभागियों को गन एंड शेल फैक्ट्री, काशीपुर, ईस्ट कोलकाता वेटलैंड्स और एशियाटिक सोसाइटी के स्थानीय भ्रमण पर ले जाया गया। प्रतिभागियों ने सत्रों और गतिविधियों का आनंद लिया।

एमसीटीपी लेवल-2 प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ संकाय (भा.ले.व.ले.वि के बाह्य कार्यालय) और प्रतिभागी

एमसीटीपी लेवल-2 प्रशिक्षण कार्यक्रम के के दौरान प्रतिभागी

स्थानीय यात्रा के दौरान एमसीटीपी लेवल-3 के प्रतिभागी

## सुदूर संवेदन और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

**भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)** एक कंप्यूटर आधारित उपकरण है जो स्थानिक डाटा और सूचना-संग्रह, संरक्षण, भंडारण, विश्लेषण और आउटपुट का समर्थन करता है। लेखापरीक्षा पद्धति के विकसित परिदृश्य में, जीआईएस और सुदूर संवेदन लेखापरीक्षक के लिए आवश्यक उपकरण बन गए हैं। लेखापरीक्षा तकनीक को बढ़ाने के उद्देश्य से, क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (पूर्व), एनआरएससी, इसरो कोलकाता में सुदूर संवेदन और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर एक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम और आनेवाली चुनौतियां, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग (डीआईपी) और वर्गीकरण, सुदूर संवेदन की अवधारणाएं, जीआईएस के मूलभूत सिद्धांत, मानचित्र प्रक्षेपण और ज्यामितीय सुधार, जीपीएस के मूल सिद्धांत और लेखापरीक्षा में जीआईएस प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया। इन प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व एनआरएससी, इसरो कोलकाता के विशेषज्ञ वैज्ञानिक और इंजीनियर एवं सुश्री हेमलता रविशंकर,उप निदेशक, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता ने किया।प्रतिभागियों से कार्यक्रम को 9.15 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

श्री अनादि मिश्र, महानिदेशक, सुदूर संवेदन और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों और इसरो के अधिकारियों के साथ।

## आईटी लेखापरीक्षा अवधारणा और अभ्यास पर प्रशिक्षण

सीएजी लेखापरीक्षकों को प्रौद्योगिकी युग के आवश्यक कौशल से लैस करने हेतु, संस्थान ने 5 अगस्त से 13 अगस्त, 2024 तक आईटी लेखापरीक्षा अवधारणा और अभ्यास पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। "आईटी लेखापरीक्षा अवधारणा और अभ्यास प्रशिक्षण" में संस्थान की आईटी प्रणालियों, नियंत्रणों और प्रक्रियाओं के मूल्यांकन में शामिल अवधारणा और अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन प्रशिक्षण सत्रों ने सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक ज्ञान के साथ जोड़ा। कार्यक्रम को 9.60 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई।

श्री मुकुल जामलोकी, उप निदेशक, आईटी अवधारणा और अभ्यास प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के साथ

## जुलाई से सितंबर 2024 तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

| सामान्य पाठ्यक्रम | से | तक |
|---|---|---|
| एमसीटीपी लेबेल -2 | 18.07.2024 | 25.07.2024 |
| जीएएसएबी (ऑनलाइन) सहित सिविल खाते | 29.07.2024 | 31.07.2024 |
| रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 05.08.2024 | 09.08.2024 |
| आईएफएमएस और भीएलसी का अवलोकन | 12.08.2024 | 13.08.2024 |
| एमसीटीपी लेबेल -3 | 21.08.2024 | 28.08.2024 |
| निष्पादन लेखापरीक्षा | 02.09.2024 | 05.09.2024 |
| जीएसटी ऑडिट | 09.09.2024 | 13.09.2024 |
| एमसीटीपी लेबेल -2 | 18.09.2024 | 25.09.2024 |

| सामान्य पाठयक्रम (ज्ञा.के.) | से | तक |
|---|---|---|
| डीआरएएएओ रेलवे चरण-1 के लिए प्रेरण प्रशिक्षण (ऑनलाइन) | 04.07.2024 | 23.08.2024 |
| रेलवे वित्त और विनियोग की लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 08.07.2024 | 10.07.2024 |
| सेवा वितरण अभिविन्यास लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम: इस नए प्रतिमान का क्या अर्थ है और इसे लेखापरीक्षा में कैसे लागू किया जा सकता है। | 02.09.2024 | 06.09.2024 |

| आई.एस/ आईटी पाठ्यक्रम | से | तक |
|---|---|---|
| डाटा विश्लेषण | 08.07.2024 | 12.07.2024 |
| ओरेकल डीबीए, पीएल-एसक्यूएल | 22.07.2024 | 26.07.2024 |
| आईटी लेखापरीक्षा अवधारणा और अभ्यास | 05.08.2024 | 13.08.2024 |
| आईडिया | 09.09.2024 | 13.09.2024 |
| पीएफएम | 19.09.2024 | 20.09.2024 |
| एमएस एक्सेल एडवांस | 23.09.2024 | 27.09.2024 |
| ओआईओएस के माध्यम से कोषागार निरीक्षण | जुलाई 2024 | सितंबर 2024 |

## उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया गया।

**क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं,कोलकाता में दो आईटी लैब और एक सम्मेलन कक्ष है। संस्थान उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता करता है। जुलाई से सितंबर 2024 की तिमाही के दौरान, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता और कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:**

1. 01.07.2024 **को इन-हाउस प्रशिक्षण और प्रथम तिमाही सम्मेलन आयोजित हुआ**

2. 16.08.2024 **को इन-हाउस प्रशिक्षण आयोजित हुआ।**

## एसटीएम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ।

"सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के कार्यान्वयन से संबंधित पीआरआई का ऑडिट" और "कानूनी शुल्क का धोखाधड़ीपूर्ण भुगतान" पर केस स्टडीज को अनुमोदित किया गया और क्रमशः अगस्त 2024 और सितंबर 2024 में प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए एस.ए.आई पोर्टल पर अपलोड किया गया। इसके अलावा, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता को सत्रवार प्रस्तुतियों की समीक्षा करने और पैनल वर्ष 2024 से व.ले.प.अ के रूप में पदोन्नति के लिए पैनल में शामिल किए जाने वाले स.ले.प.अ के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण में शामिल रेलवे ऑडिट सत्रों में परिवर्तन (संवर्धन, अपमार्जन, संशोधन) को शामिल करने का काम सौंपा गया था। इन संशोधनों को पूरा करके मुख्यालय को भेज दिया गया है।इसके अतिरिक्त, रेलवे के वित्त एवं विनियोग खातों की लेखापरीक्षा पर एसटीएम तैयार कर मुख्यालय को प्रस्तुत कर दिया गया है। इसके अलावा, इस संस्थान ने निम्नलिखित विषयों पर शोध पत्र तैयार करना शुरू कर दिया है,जैसे- स्वच्छता और जल निकासी में पीआरआई की भूमिका, स्थानीय निकायों की लेखापरीक्षा में जीआईएस का उपयोग।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

## उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता के इन-हाउस संकाय सदस्यों को विभिन्न कार्यालयों में प्रशिक्षण सत्र हेतु भेजा गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा -II), पश्चिम बंगाल
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (ई.एस.डी), कोलकाता शाखा
- कार्यालय प्रधान महालेखाकार (ले.व.ह), पश्चिम बंगाल
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आर.पी.यू. एवं एम.आर), बर्दवान शाखा
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (एस.ई.आर), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), ए.एन.आई
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (खान), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (एफ.एंड.सी), कोलकाता
- कार्यालय,भारत सरकार टकसाल
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता
- कार्यालय,क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं,चेन्नई

कार्यालय, भारत सरकार टकसाल, कोलकाता में प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं

**इस संस्थान में प्रशिक्षण देने वाले संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)**

सुश्री रीना साहा, महानिदेशक, एलजीए

श्री बिजित कुमार मुखर्जी, प्रधान महालेखाकार

श्री अनादि मिश्र, महानिदेशक

श्रीमती अतूर्वा सिन्हा, महालेखाकार

श्री अनिंद्य दासगुप्ता, महानिदेशक

श्री राजेश रंजन, प्रधान निदेशक

श्री पवन कुमार कोंडा, वरिष्ठ उप महालेखाकार

सुश्री अदिति शर्मा, निदेशक

श्री अजय कुमार झा, वरिष्ठ उप महालेखाकार

श्री संदीप डाबर, निदेशक

श्री सुब्रमण्यम एन. एन, निदेशक

श्री अवनीन्द्र कुमार राय, उप महालेखाकार

श्री सतीश एम., उप महालेखाकार

सुश्री तान्या अंबष्ठ, उप महालेखाकार

श्री मुकुल जामलोकी, उप निदेशक

सुश्री हेमलता रविशंकर, उप निदेशक

डॉ. मोहम्मद सुहैल फजल, उपनिदेशक

सुश्री सदाफ शेख, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री देवाशीष चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री ओम प्रकाश व्यास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री कुंदन कुमार, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुधांशु मिस्त्री, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री संभुजी बासु, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री नीलमणि सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री शुभ्रा चक्रवर्ती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुप्रिया खान, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

**इस संस्थान में प्रशिक्षण देने वाले संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)**

श्री सुभ्रदीप भट्टाचार्य, वरिष्ठ लेखा अधिकारी

श्री गौतम गहलोत, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री संजीव कुमार (5), वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री विश्वनाथम ए, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री दीपू बोरा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुरेश टी.पी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री शुभज्योति मैत्रा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री समरेश रॉय (राम), वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री गौरीशंकर एन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुशोभन चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सब्यसाची प्रधान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री दिलीप दास, सहायक लेखा अधिकारी

श्री कृष्ण चंद्र कुंडू, सहायक लेखा अधिकारी

श्री संदीप कोनार, सहायक लेखा अधिकारी

श्री संजीत के.एम.झा, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुभाशिस बंद्योपाध्याय, सहायक लेखा अधिकारी

श्री शैलेश कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री संदीप कोनार, सहायक लेखा अधिकारी

श्री सुमन भद्र, सहायक लेखा अधिकारी

श्री सुभाशीष बंद्योपाध्याय, सहायक लेखा अधिकारी

**इस संस्थान में प्रशिक्षण देने वाले संकाय सदस्य (सरकारी विभाग/सेवानिवृत्त अधिकारी भा.ले.व.ले.वि/सरकारी विभाग)**

**रेल मंत्रालय**

श्री कृष्ण कांत गोयल, एफए एवं सीएओ (बीएंडबी), भारतीय रेलवे

श्री अभिजीत रे, उप एफए एवं सीएओ/ कोंग I/पूर्व रेलवे

श्री सुधीर कुमार, वरिष्ठ डीएमएम/रांची

श्री प्रसेनजीत मजूमदार, एसईसी रेलवे बिलासपुर

श्री विवेक पाराशर, उप. सीईई/एसईसीआर, बिलासपुर

श्री नीरज कुमार, कार्यकारी अभियंता, एसईसी रेलवे बिलासपुर

श्री सौरव कुमार, उत्पादन प्रबंधक, कार्यालय, सीडब्लूएम /लिलुआ, पूर्व रेलवे

**अन्य (केन्द्रीय) भारत सरकार**

श्री राज राजेश, निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक

श्री सुब्रत मित्रा, सहायक निदेशक, राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स

सुश्री दीप्ति बग्गा, उप लेखा नियंत्रक, सीबीडीटी

**राज्य (पश्चिम बंगाल सरकार)**

सुश्री अनन्या दत्ता चौधरी, उप श्रम आयुक्त (पी), पश्चिम बंगाल सरकार।

**भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)**

डॉ. सुपर्ण पाठक, उप. महाप्रबंधक

डॉ. आरती पॉल, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ

डॉ. नीरज प्रियदर्शी, वैज्ञानिक/अभियंता एसएफ

डॉ. तनुमी कुमार, वैज्ञानिक/इंजीनियर एस.एफ.

सुश्री शर्मिष्ठा बी पांडे, वैज्ञानिक/अभियंता 'एसई'

डॉ. साधना जैन, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ

डॉ. सी.एच वी. चिरंजीवी जयराम, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ

डॉ. प्रबीर कुमार दास, वैज्ञानिक-एसएफ

श्री एर. सागर सुभाषराव सालुंखे, वैज्ञानिक/अभियंता 'एसई'

डॉ. अरिंदम गुहा, वैज्ञानिक जी

सुश्री नीथू चाको, वैज्ञानिक-एसई

डॉ. राजदीप रॉय, वैज्ञानिक-ई

## इस संस्थान में प्रशिक्षण देने वाले संकाय सदस्य (विशेषज्ञ/पेशेवर और भा.ले.व.ले.वि. से सेवानिवृत्त)

**प्रोफेसर/वैज्ञानिक**

डॉ. तपन शील, वैज्ञानिक-ई, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

डॉ. पापिया उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय

श्री देबजीत गोस्वामी, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय

**चार्टर्ड अकाउंटेंट**

श्री तिमिर बरन चटर्जी, मेंटर, आईसीएसआई, आईसीएआई, आईआईएफटी

श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, एसोसिएट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

श्री ईशान तुलस्यान, चार्टर्ड अकाउंटेंट

श्री अक्षय रिंगासिया, चार्टर्ड अकाउंटेंट

श्री सुमित बिहानी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आईसीएआई

सुश्री ऋतुंशा लालवानी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, प्रमाणित आंतरिक लेखापरीक्षक

**भा.ले.व.ले.वि तथा अन्य सरकारी विभागों के सेवानिवृत्त अधिकारी**

श्री गौतम दास गुप्ता, (सेवानिवृत्त) सहायक निदेशक, एनएसीआईएन

श्री कंचन कुमार कुंडू, उप मुख्य अभियंता (कं.(सेवानिवृत्त)), दक्षिण पूर्व रेलवे

श्री गौतम रॉय, पूर्व-एएफए/गुड्स-II/टीए, भारतीय रेलवे

श्री वासुदेव बी एल, कल्याण अधिकारी (सेवानिवृत्त), भा.ले.व.ले.वि.

श्री जॉयदेब चक्रवर्ती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (सेवानिवृत्त), भा.ले.व.ले.वि.

श्री विकाश कुमार मोहांती, सेवानिवृत्त, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, भा.ले.व.ले.वि.

श्री सागरमय मंडल, सेवानिवृत्त, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, भा.ले.व.ले.वि

| स्वतंत्र/विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया |
| --- |
| डॉ. सैकत मन्ना, प्रोजेक्ट लीड, नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी (समाचार) |
| सुश्री अजंता डे, संयुक्त सचिव और कार्यक्रम निदेशक, नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी |
| श्री स्वामी वेदतीतानंद, संवाददाता, रामकृष्ण मिशन |
| श्री स्वामी महाप्रज्ञानंद, प्रिंसिपल, रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर, बेलूर |
| सुश्री संजीना गुप्ता, संस्थापक और सीईओ, रंगीन खिड़की फाउंडेशन |
| सुश्री तरनजीत कौर चौहान, मुख्य सशक्तिकरण कोच, आईसीबीआई |
| सुश्री चेताली जाधव, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, मान: चक्षु |
| श्री अनिमेष देब रॉय, आईटी विशेषज्ञ, स्व-रोजगार |
| श्री हेमंत कुमार पाल, आईटी विशेषज्ञ, स्व-रोजगार |
| श्री अरिजीत घोष, स्वतंत्र |
| श्री गिको रॉय, योग प्रशिक्षक, वैदिक योग पीठ |

| इन-हाउस संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षण दिया |
| --- |
| श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी |
| श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी |
| श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी |
| श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी |
| सुश्री पारिजात सैकिया, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी |
| श्री राजीव कुमार साहू, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी |
| सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी |
| श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी |
| श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी |
| श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी |

## प्रश्नोतरी

**1. राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन-सा है?**

क) क्षेत्रीय भाषाओं को प्रतिस्थापित करना

ख) भारत की विविध संस्कृतियों को एकीकृत करना

ग) अंग्रेजी के महत्व को कम करना

घ) तकनीकी क्षेत्रों में संचार को सरल बनाना

**2. ओरेकल मुख्य रूप से जाना जाता है?**

क) ऑपरेटिंग सिस्टम

ख) प्रोग्रामिंग भाषा

ग) डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली

घ) वेब डेवलपमेंट

**3. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निष्पादन लेखापरीक्षा दिशा-निर्देशों के अनुसार ADM का संक्षिप्त नाम क्या है?**

क) Audit Decision Methodology

ख) Audit Development Matrix

ग) Audit Design Matrix

घ) Audit Data Management

**4.लेखापरीक्षा में जीआईएस के प्रयोग से मुख्य लाभ क्या है?**

क) मैन्युअल डेटा प्रविष्टि त्रुटियों को कम करना

ख)स्थानिक डेटा विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन को बढ़ाना

ग) वित्तीय लेनदेन को बढ़ाना

घ) ग्राहक सेवा प्रतिक्रियाओं को स्वचालित करना

**5. ई-ऑफिस में पत्रों को डायरी में लिखने का कौन सा प्रारूप स्वीकृत है?**

क) वर्ड

ख) एक्सेल

ग) पीडीएफ

घ) उपरोक्त सभी

**6. भारत में जीएसटी कब लागू हुआ था?**

क) जनवरी 1, 2016

ख) जुलाई 1, 2017

ग) अप्रैल 1, 2018

घ) अक्टूबर 1, 2019

**7. किसी राज्य में ट्रांजेक्शन पर किस प्रकार का जीएसटी लागू होता है?**

क) एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी)

ख) केवल केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी)

ग) केवल राज्य जीएसटी (एसजीएसटी)

घ) केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) और राज्य जीएसटी (एसजीएसटी)

**8. सरकारी लेखा मानक सलाहकार बोर्ड (जी.ए.एस.ए.बी) की स्थापना कब हुई थी?**

क) 2000

ख) 2001

ग) 2002

घ) 2010

**9. कौन सी पहल विशेष रूप से सरकारी सेवाओं को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रदान करने और सेवा वितरण में सुधार करने के उद्देश्य से है?**

क) राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी)

ख) ई-क्रांति मिशन

ग) डिजिटल इंडिया कार्यक्रम

घ) ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना

**10. निम्नलिखित में से कौन सा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) के अंतर्गत मिशन मोड परियोजना (एम.एम.पी) का एक उदाहरण है?**

क) ई-क्रांति

ख) ई-डिस्ट्रिक्ट

ग) डिजिटल इंडिया कार्यक्रम

घ) राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल

उत्तर पृष्ठ संख्या 24 पर दिया गया हैं।

**<u>प्रश्नोत्तरी के उत्तर</u>**

| | |
|---|---|
| 1. ख | 6. ख |
| 2. ग | 7. घ |
| 3. ग | 8. ग |
| 4. ख | 9. ख |
| 5. ग | 10. ख |

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest


**क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता**

तीसरा एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, 5वीं मंजिल (ए विंग),डीएफ ब्लॉक,
सॉल्ट लेक, सेक्टर - I, कोलकाता - 700064

दूरभाष नंबर. 033- 23213907/6708

ईमेल: RTIKOLKATA@CAG.GOV.IN